Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 21-02-2006
Participants : Bisen Shri Gauri Shankar Chaturbhuj

Title : Need for redeployment of 117 batallion of Central Reserve Police Force at Balaghat in Madhya Pradesh with a view to check increasing naxalite activites in the region.

श्री गौरीशंकर चतुर्भुज बिसेन (बालाघाट) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल अगस्त 2004 से तैनात किया गया। बालाघाट जिला मध्य प्रदेश का सर्वाधिक संवेदनशील और नक्सलाइट जिला है। इसके सीमावर्ती महाराट्र गड़चिरौली, चंद्रपुर और त्रिमूर है, जो हमारा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र गोंदिया भंडारा है और छत्तीसगढ़ के राजनांद गांव जिले आदि तमाम जिले हैं। भारत सरकार ने दो दिन पूर्व यह आदेश जारी किया है कि 170वीं बटालियन को छत्तीसगढ़ ट्रांसफर कर दिया जाए। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हम सरकार से चाहते हैं यदि यह बटालियन को छत्तीसगढ़ ट्रांसफर कर दिया गया, तो जो नक्सलाइट्स ऊपर से खदेड़े जाएंगे, जिनको बालाघाट जिले में रोका हुआ है, सीधे शिवनी, जिंदौरी, मंडला, शहडौल, उमरिया, बालाघाट जो मध्य प्रदेश के बार्डर जिले हैं, जिन्होंने विस्तृत सर्वे कर लिया है, वहां वे प्रवेश कर ãÉåMÉä[c65]। इसके लिए तत्काल कोई व्यवस्था होनी चाहिए। माननीय गृह मंत्री उस आदेश को समाप्त करें। यदि उन्हें छत्तीसगढ़ में कुचलना है, हम उसका समर्थन करते हैं। महाराट्र, छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश में संयुक्त अभियान चलाना चाहिए। रिजर्व पुलिस बल को हटाना विकल्प नहीं है। यह एक खुला रास्ता हो जाएगा। उन्हें रोक कर जो अटैक किया है, इससे सर्वे किए हुए नक्सलाइट के जिले अन्दर आ जाएंगे जिससे गम्भीर स्थिति बनेगी और मध्य प्रदेश इसे कंट्रोल नहीं कर पाएगी। आज तक नक्सलाइट्स ने 52 लोगों की बालाघाट जिले में हत्या की है। 15 बड़ी वारदातें हो चुकी हैं। एक कैबिनेट मंत्री का गला घोंट कर हत्या की गई। वहां सांसदों, विधायकों और जन-प्रतिनिधियों का जीवन कठिन स्थिति में है। ऐसी स्थिति में फोर्स को हटाया गया तो स्थिति भयावह हो जाएगी। अभी स्थिति जिला पुलिस बल के कंट्रोल में नहीं है। हमने माननीय गृह मंत्री जी से मिल कर व्यक्तिगत रूप से बात की थी। हम इसकी ठीक से व्यवस्था चाहते हैं। केन्द्र सरकार तत्काल हस्तक्षेप करे। वह 117 बटालियन्स का हस्तांतरण तैनाती क्षेत्रों की तरफ कर रही है, उसे तत्काल रोके।

उपाध्यक्ष महोदयः सभी दो-दो मिनट लें क्योंकि समय कम है। That will be sufficient.

Shri Tek Lal Mahto – Not present.

Dr. Shafiqur Rahman Barq – Not present.